प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 7 अप्रैल, 2018 को किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के के0जी0एम0यू0 इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साईंसेज द्वारा विश्व स्वाथ्य दिवस 2018 के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमो का आयोजन किया गया। जिसके तहत पूर्वाह्न 9 बजे एक स्वास्थ्य जागरूकता रैली को मा0 कुलपति प्रो0 मदनलाल ब्रह्म भट्ट जी द्वारा झण्डा दिखाकर रवाना किया गया। उपरोक्त रैली में मा0 कुलपति जी के साथ प्रो0 विनोद जैन, अधिष्ठाता पैरामेडिकल संकाय, प्रो0 आर0ए0एस0 कुशवाहा, के साथ पैरामेडिकल संकाय के संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। उपरोक्त रैली प्रशासनिक भवन से प्रारम्भ होकर, ओ0पी0डी0 होते हुए कलॉम सेण्टर तक गई।

तत्तपश्चात आई0पी0एम0 द्वारा कलॉम सेण्टर में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम में श्री बृजेश पाठक, मा0 विद्यि एवं न्याय मंत्री मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारम्भ अधिष्ठाता पैरामेडिकल संकाय, प्रो0 विनोद जैन के स्वागत सम्बोधन से हुआ। प्रो0 जैन ने बताया की के0जी0एम0यू0 इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साईंसेज का शुभारंभ 9 सितंबर, 2015 को हुआ था। उस समय संस्थान में कुल 400 सिटों पर 12 विभिन्न डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा था जो कि वर्तमान में यह बढ़कर 13 हो गये है। कार्यक्रम में प्रो0 जैन ने मा0 मंत्री जी से स्वास्थ्य के क्षेत्र में तकनीशियनों को नौकरी का अवसर उपलब्ध कराने के लिए पद सृजीत कराने का अनुरोध किया गया। कार्यक्रम में अधिष्ठाता नर्सिंग संकाय प्रो0 मधुमती गोयल द्वारा मा0 मंत्री जी से मेडिकल कॉलेजो में नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टॉफ की दिक्कतो को शासन एवं सरकार तक पहुंचाने का अनुरोध किया गया। तथा प्रो0 गोयल द्वारा सरकारी अस्पतालों में विभिन्न तरह के रोगियों को जो निःशुल्क उपचार दिया जाता है उसके लिए भी एक नीति बनाने की बात कही गई।

कार्यक्रम मे सरकार पैथोलॉजी के निदेशक पद्मश्री डॉ0 एस0एस0 सरकार द्वारा अपने छात्र जीवन के अनुभवों को साझा किया गया। डॉ0 सरकार द्वारा मा0 कुलपति जी को विद्यार्थियों को प्रदान करने के लिए विभिन्नि शैक्षणिक अवार्डो के लिए 10 लाख रूपये का चेक दिया गया।

कार्यक्रम में मा0 कुलपति प्रो मदनलाल ब्रह्म भट्ट जी ने कहा कि डॉ0 सरकार द्वारा दिये गए आर्थिक सहयोग से विद्यार्थियो को 4 गोल्ड मेडल प्रदान किया जाएगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा इस बार हेल्थ फॉर आल थिम दिया गया है। भारत मे स्वास्थ्य सम्बंधी समस्याएं गंभीर स्तर पर है। भारत में केवल 10 से 15 प्रतिशत लोगो के पास ही स्वास्थ्य बीमा है। सरकारी अस्पतालों मे भी सबको चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करा पाना सम्भव नही हो पाता है अतः लोग प्राईवेट संस्थानो में भी चिकित्सा के लिए जाते है। किन्तु प्राईवेट अस्पतालों मे विभिन्न प्रकार के उपचार इतने महंगे है कि उनको वहन कर पाना सबके लिए सम्भव नही है और जो लोग वहन कर भी लेते है तो उनके उपर अत्यधिक आर्थिक बोझ बढ़ जाता है। देश की करीब 3 प्रतिशत आबादी प्रतिवर्ष स्वास्थ्य पर खर्च के कारण गरीबी रेखा के निचे चली जाती है। यू0पी0 में यह स्थिति और भी भयावह है

यू0पी0 प्रत्येक वर्ष करीब 6 प्रतिशत लोग स्वास्थ्य पर खर्च की वजह से गरीबी रेखा के निचे चले जाते है। देश में 70 वर्ष की आजादी के बाद भारत सरकार द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में सबसे बड़ा कदम उठाया गया है। आयुष्मान योजना के तहत तहत 10 करोड़ परिवारों के लगभग 50 करोड़ लोगो के लिए पांच लाख का बिमा किया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य के दिसा में यह पहला कदम है। स्वस्थ्य जीवन शैली एवं स्वच्छता को अपना कर वैश्विक स्वास्थ्य को पाया जा सकता है। हम उष्णकटिबंधीय देश मे रहते है इस लिए हमे पानी का सेवन ज्यादा से ज्यादा करना चाहिए जिससे की गुर्दे की बीमारी से बचा जा सके। हमारे देश मे होने कैंसर में एक तिहाई कैंसर रोगी तम्बाकू जनित कैंसर के होते है। इस लिए हमे तम्बाकु, शराब, सिगरेट का सेवन नही करना चाहिए, प्रोसेस्ड फुड का सेवन कम से कम करना चाहिए, फास्ट फुड का सेवन कम करना चाहिए। चिकित्सा विश्वविद्यालय द्वारा भी स्वास्थ्य के क्षेत्र मे विभिन्न कार्यक्रमो का संचालन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के शोसल आउटरीच कार्यक्रम के तहत विभिन्न ग्रामीण इलाकों में विभिन्न प्रकार के कैम्प लगाए जा रहे, विभिन्नि समाज सेवी संस्थाओं के साथ मिलकर स्वास्थ्य सम्बंधी विभिन्न कार्यक्रमो का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रमो का उच्च मानको पर संचालन किया जा रहा है जैसे एम0बी0बी0एस0, बी0डी0एस0, नर्सिंग, पैरामेडिकल विभिन्न प्रकार के परास्नातक पाठ्यक्रम। पूरे देश के चिकित्सा संस्थानो में चिकित्सा विश्वविद्यालय को पॉचवा स्थान प्राप्त हुआ है यह भी गर्व की बात है जबकी हमे पर मरीज इलाज के लिए मात्र 550 रूपये प्राप्त होते है जबकी एम्स को 3700, पीजीआई को 1200 रूपये प्राप्त होते है। अभी हाल ही मे भारत सरकार के परिवार कल्याण मंत्रालय के एक प्रतिनिधि मण्डल द्वारा विश्वविद्यालय के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग का निरिक्षण किया गया था । उपरोक्त दल के सदस्यों द्वारा विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यो की प्रशंसा की गई, उन्होंने विभाग द्वारा अपनी क्षमताओं से ज्यादा पेशेण्ट के उपचार पर आश्चर्य जताते हुए कहा कि यह एक बहुत अनुकरणीय कार्य है कि विभाग द्वारा बेड फुल होने पर एक–एक बेड पर दो–दो मरीजो का इलाज किया जा रहा है। विभाग में प्रत्येक वर्ष करीब 12000 बच्चों का जन्म होता है इनमे से 9000 बच्चो का जन्म तो दुसरे अस्पतालों से गंभीर अवस्था में रेफर प्रसुताओं के बच्चो का कराया जाता है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मा0 कैबिनेट मंत्री श्री बृजेश पाठक जी ने कहा कि पैरामेडिकल स्टॉफ के बिना मेडिकल साईंस सम्भव नही है। आप सब लोग बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य के लिए चुने गए है। हम सरकार के पास आप लोगो की मांगो को पहुचायेंगे तथा आप लोगो के लिए नौकरी के पर्याप्त अवसर उपलब्ध हो इसका प्रयास मै करूंगा। सरकार द्वारा आयुष्मान योजन के तहत लगभग 50 करोड़ लोगो को पांच लाख का स्वास्थ्य बिमा किया जायेगा। चिकित्सा विश्वविद्यालय पर मरीजो को अत्यधिक भार है किन्तु यहां के चिकित्सकों एवं स्टॉफ द्वारा मरीजो को जो उपचार दिया जाता है वो काबिले तारीफ है।

कार्यक्रम में धन्यवाद प्रस्ताव डॉ0 अनीत परिहार, सहायक अधिष्ठाता पैरामेडिकल सकांय द्वारा दिया गया। इस अवसर पर प्रो0 आर0के0 गर्ग, विभागाध्यक्ष, न्यूरोलॉजी विभाग, प्रो0 जी0पी0 सिंह सहित विभिन्न संकायो के संकाय सदस्य उपस्थित रहे।